मुख्यमंत्री भजनलाल ने तिलानेश गांव में प्रात: भ्रमण किया

उन्होंने किसानों के साथ खेत में निराई- गुड़ाई की व उन्नत कृषि तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित किया

नागौर/जयपुर, 18 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नागौर के तिलानेश गांव में रात्रि विश्राम के बाद शनिवार सुबह प्रात: भ्रमण किया। मुख्यमंत्री ने गांव की गलियों, खेतों और सार्वजनिक स्थलों पर ग्रामीणों से संवाद किया तथा उनकी समस्याओं, सुझावों और अपेक्षाओं को गंभीरता से सुना।

मुख्यमंत्री ने सबसे पहले खेतों में किसानों के साथ फसलों का अवलोकन किया और किसानों के समक्ष आने वाली चुनौतियों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने स्वयं खेत में किसानों के साथ निराई-गुड़ाई की। उन्होंने किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने, उन्नत एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा राज्य और केंद्र सरकार की किसान हितैषी योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

प्रात: भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री गांव की गलियों में पैदल पहुंचे और घर-घर जाकर ग्रामीणों से मिले। तथा महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों के साथ विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा नागौर के तिलानेश गांव में रात्रि विश्राम के बाद शनिवार सुबह घर-घर जाकर ग्रामीणों से मिले।

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गांव की गलियों में पैदल पहुंचे और घर-घर जाकर ग्रामीणों से मिले।

मुख्यमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत गांव के शिवसागर तालाब की पाल पर पौधारोपण किया। इसके बाद श्री चारभुजा नाथ जी एवं वीर तेजाजी मंदिर में दर्शन कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

ग्रामीणों के साथ चाय पर आयोजित चर्चा के दौरान गांव में पुस्तकालय सह अटल ज्ञान केंद्र की स्थापना, रामसरी गांव से जोबनेर-बुटाटी राज्य राजमार्ग तक 1.18 करोड़ रूपये की लागत से डामर सड़क निर्माण तथा गांव के शिवसागर तालाब के सौंदर्यीकरण एवं जीर्णोद्धार की घोषणा की।

भारत ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किलोन्यूटन है। इसमें 3-डी प्रिंटेड तरल ईंधन इंजन का उपयोग किया गया है, जो पारंपरिक इंजनों की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत हल्का है। इसके ठोस ईंधन बूस्टर कार्बन फाइबर से बने कार्बन कंपोजिट ढांचे का उपयोग करते हैं। इस मिशन के तहत विक्रम-1 कुल छह पेलोड लेकर गया है। इनमें पांच पेलोड भारत में विकसित किए गए हैं, जबकि एक पेलोड जर्मनी की कंपनी डीक्यूब्ड जीएमबीएच द्वारा तैयार किया गया है। चंदना ने कहा, "हम भारत में विकसित पांच पेलोड और जर्मन कंपनी डीक्यूब्ड जीएमबीएच का एक पेलोड अंतरिक्ष में भेज रहे हैं।" स्कायरूट एयरोस्पेस की स्थापना वर्ष 2018 में इसरो के पूर्व वैज्ञानिक पवन कुमार चंदना और नागा भरत डाका ने की थी।नवंबर 2025 में कंपनी ने हैदराबाद में दो लाख वर्ग फुट क्षेत्र में फैला अपना अत्याधुनिक इन्फिनिटी कैंपस स्थापित किया।इसी वर्ष मई में स्कायरूट भारत की पहली निजी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कंपनी बनी, जिसने यूनिकॉर्न का दर्जा हासिल किया। स्कायरूट की अंतरिक्ष यात्रा की शुरुआत 18 नवंबर 2022 को विक्रम-एस के प्रक्षेपण से हुई थी। यह किसी भारतीय निजी कंपनी द्वारा विकसित और प्रक्षेपित पहला रॉकेट था। विक्रम-एस ने 301.4 सेकंड तक उड़ान भरी और 88.8 किलोमीटर की ऊंचाई तक पहुंचा। वह अपने साथ बाजूमक (आर्मेनिया), स्पेस किड्ज़ इंडिया और एन-स्पेस टेक इंडिया के तीन पेलोड लेकर गया था। चंदना ने कहा, "विक्रम-एस एक परीक्षण रॉकेट था। उसकी सफलता के बाद हमने केवल तीन वर्षों में विक्रम-1 विकसित कर लिया।" वर्तमान में इसरो मुख्य रूप से पीएसएलवी ,जीएसएलवीऔर एलवीएम-3 (3) प्रक्षेपण यानों का उपयोग करता है। पीएसएलवी मुख्य रूप से ध्रुवीय और सूर्य-समकालिक कक्षाओं में उपग्रह भेजने के लिए इस्तेमाल होता है और लगभग 600 किलोमीटर की ऊंचाई तक 1,750 किलोग्राम पेलोड ले जा सकता है। जीएसएलवी भारी संचार उपग्रहों के प्रक्षेपण के लिए उपयोग किया जाता है। यह भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में लगभग 2,250 किलोग्राम तथा निम्न पृथ्वी कक्षा में करीब 6,000 किलोग्राम पेलोड पहुंचा सकता है। इसरो का सबसे शक्तिशाली प्रक्षेपण यान एलवीएम-3 जीटीओ में लगभग 4 टन तथा एलईओ में 8,000 किलोग्राम तक पेलोड ले जाने में सक्षम है।

देश को आगे बढ़ाने के लिये असहमति का सम्मान आवश्यक - पायलट

सचिन पायलट ने एनएसयूआई द्वारा आयोजित 'छात्र संविधान संवाद' कार्यक्रम को संबोधित किया

जयपुर, 18 जुलाई। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी लोकतांत्रिक व्यवस्था, विविधता और संविधान है। देश को आगे बढ़ाने के लिए हर वर्ग की आवाज़ सुनना और असहमति का सम्मान करना आवश्यक है। पायलट ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आव्हान पर चलाए जा रहे देशव्यापी अभियान "छात्रों की गूंज" के तहत एन.एस.यू.आई. द्वारा आज जयपुर में आयोजित "छात्र-संविधान संवाद" कार्यक्रम के अपने उद्बोधन में उक्त विचार व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि आज शिक्षा व्यवस्था, प्रतियोगी परीक्षाओं और युवाओं के भविष्य को लेकर देशभर में गहरी चिंता है। गरीब और मध्यम वर्ग के परिवार अपने बच्चों की पढ़ाई पर लाखों रुपये खर्च करते हैं, लेकिन बार-बार पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने और मूल्यांकन में गड़बड़ियों से युवाओं का व्यवस्था पर विश्वास कमजोर हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि नीट सहित विभिन्न परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं के बावजूद सरकार जवाबदेही तय करने में विफल रही है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट शनिवार को "छात्रों की गूंज" अभियान के तहत एन.एस.यू.आई. द्वारा आयोजित "छात्र-संविधान संवाद" कार्यक्रम में शामिल हुए।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास कर रही है, जबकि आवश्यकता संविधान की भावना के अनुरूप पारदर्शी और जवाबदेह शासन की है।

पायलट ने कहा कि देश का युवा अपने अधिकारों के प्रति जागरूक है और न्याय, पारदर्शिता तथा जवाबदेही की इस लड़ाई में कांग्रेस पार्टी उनके साथ मजबूती से खड़ी रहेगी।

अरब देश ईरानी हमलों के खिलाफ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वैसे भी ईरान अपनी फ़ारसी विरासत पर गर्व करता है और अरब पड़ोसियों की तुलना में खुद को श्रेष्ठ मानता है तथा नस्लीय पूर्वाग्रह से ग्रस्त है। दूसरी ओर, अरब देशों में फ़ारसी ईरान के प्रति सदियों पुराना अविश्वास बना हुआ है।

ईरान और उसके अरब पड़ोसियों के बीच पारंपरिक दुश्मनी की इस पृष्ठभूमि में, मौजूदा संघर्ष और अरब देशों पर ईरान के लगातार हमले, फ़ारसी ईरान और उसके आसपास के अरब देशों के बीच पहले से कहीं अधिक गहरी और व्यापक खाई पैदा कर रहे हैं।

अमेरिका ने ईरान की संपत्तियों पर, यहां तक कि देश के अंदरूनी हिस्सों में स्थित ठिकानों पर भी, अपने भीषण हमले और तेज कर दिए हैं। अमेरिका व्यवस्थित तरीके से अपने हमलों का दायरा बढ़ा रहा है और अब गैर-सैन्य ठिकानों को भी निशाना बना रहा है। ताज़ा जानकारी के अनुसार, कुछ अस्पतालों पर भी बमबारी की गई है, जिसके कारण मरीजों को तुरंत वहां से हटाना पड़ा।

नए सिरे से शुरू हुए ये हमले, होर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुजरने वाले कुछ जहाजों पर ईरान के हमले के जवाब में किए गए। वास्तव में, जब होर्मुज़ से जहाजों की आवाजाही की स्थिति कुछ सामान्य होने लगी, तो ईरान को लगा कि होर्मुज़ के मामलों पर उसकी पकड़ कमजोर हो रही है। ईरान ने उन जहाजों पर हमला किया, जो अमेरिकी अनुमति और निर्देशों के आधार पर वहां से गुजर रहे थे। ईरान ने इसे होर्मुज़ जलडमरूमध्य पर अपनी मजबूत पकड़ कमजोर होने के रूप में देखा। उसका मानना था कि केवल ईरानी अधिकारियों से अनुमति प्राप्त जहाजों को ही सुरक्षित रास्ता मिलना चाहिए।

लेकिन होर्मुज़ के लिए यह व्यवस्था स्वीकार्य नहीं थी। ट्रंप और अमेरिका का कहना था कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य एक अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्ग बना रहना चाहिए और उस पर ईरान का नियंत्रण नहीं होना चाहिए। कम से कम उसकी स्थिति ऐसी होनी चाहिए कि सभी देशों के जहाज वहां से स्वतंत्र रूप से गुजर सकें। वास्तव में होर्मुज़ जलडमरूमध्य का तटीय देश केवल ईरान ही नहीं है। ओमान भी इसका एक तटीय देश है। हाल के घटनाक्रमों में ईरान की बढ़ती सैन्य शक्ति के प्रदर्शन के बाद, अब खाड़ी के अरब देश ईरान की सैन्य ताकत से खतरा महसूस कर रहे हैं।

सफेद चादरों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सदस्य ने इसकी ज़िम्मेदारी ली है। इससे स्पष्ट है कि मोदी सरकार में जवाबदेही का अभाव है। सोनम वांगचुक को जिस तरीके से धरना स्थल से हटाया गया, उससे शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान की भूमिका तथा मोदी सरकार की कथित अलोकतांत्रिक कार्यप्रणाली संसद में प्रमुख मुद्दा बन सकती है। संसद की कार्यवाही प्रभावित होने की आशंका है। साथ ही, प्रदर्शनकारियों को संसद के निकट पहुंचने से रोकने के लिए जंतर-मंतर और संसद के बीच के मार्ग पर भारी पुलिस बल तैनात किए जाने की संभावना भी जताई गई है। भले ही जंतर-मंतर और संसद के बीच की भौतिक दूरी बहुत कम हो, लेकिन मोदी सरकार और जनता के बीच बढ़ती राजनीतिक दूरी हर दिन और अधिक गहरी होती जा रही है।

एनडीए में आना है तो पहले सुनेत्रा पवार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकिन उन्होंने पार्टी के एनडीए में शामिल होने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा, "मीडिया तो पिछले 12 वर्षों से मेरे शपथ ग्रहण और मंत्री पद की भविष्यवाणी करता आ रहा है।" शनिवार को शरद पवार ने भी इन अटकलों को और हवा देते हुए कहा, "अभी इस विषय पर बात करने का समय नहीं है।" राजनीतिक पुनर्संयोजन की चर्चाएं तब तेज हुईं, जब शरद पवार ने हाल ही में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात की। इसके अलावा, इस सप्ताह एनसीपी के दोनों गुटों के वरिष्ठ नेताओं ने मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस के साथ देर रात गोपनीय बैठकें भी कीं। एनसीपी (एसपी) की ओर से जयंत पाटिल इस बैठक में शामिल हुए थे।लेकिन सुप्रिया सुले ने स्पष्ट किया कि जयंत पाटिल ने फडणवीस से पार्टी के एक नगर परिषद अध्यक्ष के खिलाफ हुई कार्रवाई के मुद्दे पर चर्चा के लिए विधिवत समय लिया था। इन घटनाक्रमों पर कांग्रेस की भी नजर है। पूर्व केन्द्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने दावा किया कि भाजपा प्रस्तावित परिसीमन विधेयक के समर्थन के लिए एनसीपी (एसपी) और डीएमके का समर्थन हासिल करने की कोशिश कर रही है। इन घटनाओं के बीच, एक व्यक्ति सबसे अधिक असहज बताया जा रहा है। वे हैं, एनसीपी प्रमुख सुनेत्रा पवार। सूत्रों के अनुसार, एनसीपी (एसपी) को एनडीए में शामिल किए जाने की चर्चाओं से वे असहज हैं। जनवरी में अजित पवार की विमान दुर्घटना में हुई मृत्यु के बाद, एनसीपी के भीतर सत्ता संघर्ष और तेज हो गया है। ताजा विवाद इस बात को लेकर है कि पार्टी का एक वर्ग सुनेत्रा और अजित पवार के पुत्र तथा सांसद पार्थ पवार को केन्द्रीय मंत्रिमंडल में शामिल कराने की पैरवी कर रहा है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908